नोट्स

B.A. Part-III (Hon's)
Subject — Geography
Paper — VI (Human Geography)

Unit — IIIrd

(Cultural evolution of man)

Q. मानव के सांस्कृतिक विकास का वर्णन प्रस्तुत करें ?

समाज में अनेक जीवधारी हैं, इन जीवधारियों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ है। और उसकी श्रेष्ठता का कारण उसकी संस्कृति है। संस्कृति मानव की सबसे बड़ी अनोखी उपज है। मानव की सबसे बड़ी सम्पत्ति उसकी संस्कृति ही है। संस्कृति एक ऐसा पर्यावरण है जिसमें रहकर मनुष्य एक सामाजिक प्राणी बनता है। मानव की यदि संस्कृति छीन ली जाय तो वह मानव नहीं बना होगा। प्रसिद्ध मानव शास्त्री हबिल (Hoeble) ने संस्कृति को एक अनोखी मानव घटना कहा है। संस्कृति वह शिक्षा-दिक्षा है जिससे मनुष्य का जीवन सुधरे। किसी देश या जाति की संस्कृति का अर्थ उस देश या जाति की वे पुरानी आदतें, प्रथाएँ, रहन सहन आदि हैं जो उस देश या जाति के मनुष्यों का चरित्र निर्माण करती है, या उस निर्माण में प्रभावशाली होती है। प्रसिद्ध मानवशास्त्री टायलर (Tylor) के शब्दों में " संस्कृति वह जटिल सम्पूर्णता है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कलाएँ, नीति, विधि, रीति-रिवाज और समाज के सदस्य होने मनुष्य की अर्जित अन्य योग्यताएँ सम्मिलित हैं।"

मानव संस्कृति के विकास को सामाजिक संदर्भ में तीन वर्गों में बाँटा जा सकता है—

संस्कृति युग

- (1) प्राचीन संस्कृति
  - (क) अति पुरापाषाण काल
  - (ख) पुरा पाषाण काल
  - (ग) मध्य पाषाण काल
  - (घ) नव पाषाण काल
  - (ङ) कांस्य युग
  - (च) लौह युग
  - (छ) भूमध्य सागरीय युग
- (2) मध्ययुग संस्कृति
  - (क) अंध युग की संस्कृति
  - (ख) अरब संस्कृति
  - (ग) औपनिवेशिक संस्कृति
- (3) आधुनिक संस्कृति

1. प्राचीन संस्कृति

(क) **अति पुरापाषाण काल** :→ 7½ लाख वर्ष पूर्व की संस्कृति को अति पुरापाषाण काल कहा जाता है। यह काल गुफा में रहने के पूर्व का काल है। मनुष्य पहाड़ी ढालों पर रहते थे। इससे स्पष्ट होता है कि लोग झुण्ड में रहते थे। खाद्य पदार्थों को संग्रह करते थे। खुले आसमान के नीचे रहते थे। छोटे समूह में रहते थे। वनस्पति पर निर्भर थे।

(ख) **मध्यपाषाण काल** :→ इसका काल 25000 वर्ष पूर्व तक था। इस युग में मनुष्य उत्तर के तरफ स्थानान्तरण हुआ। यहाँ सम्भवतः ताप का प्रभाव था। इसका प्रमाण फ्रांस, स्पेन तथा स्वेडेन के संस्कृति अवशेष से मिलता है। इस युग में मनुष्य खाने-पीने के लिए बर्तन का प्रयोग करते थे। पके भोजन खाते थे। ये लोग शिकारी प्रवृत्ति के थे क्योंकि इनके गुफाओं के नजदीक कुत्ते के अवशेष मिले हैं।

(ग) **पुरापाषाण काल** :→ इस काल में मनुष्य कई प्रकार के अस्त्रों का प्रयोग करते थे, जिसमें चौपड़ तथा कुल्हाड़ी मुख्य थे। ये गुफा में रहते थे। मांस को आग में पकाकर खाते थे। अफ्रिका, द०पू० एशिया एवं बर्मा के इरावदी घाटी में इस प्रकार की संस्कृति देखने को मिलती है।

Scanned with CamScanner

(ङ) नवपाषाण युग :→ इस संस्कृति का युग 5000 वर्ष पूर्व था। इस युग में शिकारी जीवन संगठित हो गया था। कृषि कार्य आरम्भ किया गया। खदानों का कार्य विकसित किया गया। पशुपालन आरम्भ किया गया। तीर एवं धनुष का प्रयोग करते थे। सूर्य की पूजा करने लगे। मृत आत्मा की पूजा करते थे।

(च) कांस्य युग :→ चीन में इस संस्कृति का विकास देखा गया। इस युग में तांबा (कॉपर) तथा टिन का प्रयोग अधिक हुआ। इस युग में झुण्डों में लड़ाई शुरू हो गयी। यह युग मेसोपोटामिया में, साइप्रस, यूनान में देखने को मिलते हैं। यूनान एवं साइप्रस की संस्कृति को मोसिन कहा गया। इस युग में मनुष्य नदी घाटी में बसने लगे थे।

(छ) लौहयुग :→ इस युग में नगरों का विकास शुरू हो गया। सिंधु-घाटी, नील घाटी में यह संस्कृति विकसित हुई। यह नगरीय क्रान्ति का प्रथम चरण था। इस समय नियोजित बस्तियों का विकास हुआ जो नदी घाटी के समीप था। नदियों के द्वारा व्यापार कार्य होता था। नगरों का विकास सालों भर बहने वाली नदियों के किनारे हुआ, जहाँ पेय जल की सुविधा थी, जहाँ कृषि योग्य भूमि थी। इस प्रकार समाज कृषि पर आधारित था, धातु के कृषि औजार, अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग होने लगा।

(ज) भूमध्य सागरीय संस्कृति :— भूमध्य संस्कृति का विकास ईसा के 1000 वर्ष पूर्व तथा अंध युग के अन्त तक विकसित रहा। यह अति विकसित रूप था। नगरीकरण वाणिज्य तथा व्यापार विकसित हो चुका था। यूनान संस्कृति के विकास में चिन्तकों का अभूतपूर्व योगदान है। इरेटोस्थनिज ने विश्व मानचित्र बनाकर मनुष्य अधिवासित क्षेत्र का परिचय कराया। ज्योंहि ईसाई मान्यताओं की पकड़ मजबूत होने लगी तो Classical युग का अन्त हो गया।

2. मध्य युगीन संस्कृति

इस संस्कृति को तीन भागों में बांटा गया है—

(क) अंधयुग की संस्कृति :→ यह युग चौथी से 14 वीं सदी के बीच की है। इस दौरान यूरोप के सामाजिक जीवन में ईसाईवाद की पकड़ मौजूद थी। मनुष्य कृषि कार्य करते थे। इसके अलावे लकड़ी काटना, मछली पकड़ना प्रमुख्य कार्य थे। इसी दौरान द० पू० एशिया में अनेक राज घरानों का विकास हुआ। जिसने किले का संस्कृति का विकास हुआ।

(ख) अरब संस्कृति :→ 6ठी से 14वीं सदी के बीच मध्य पूर्व में अरब संस्कृति का विकास हुआ। इसी समय इस्लाम धर्म का विकास हुआ। घुमन्तू जीवन के जगह धर्म प्रधान संगठित संस्कृति का विकास हुआ। मरुस्थान में स्थाई बस्तियों का निर्माण हुआ। अरब प्रदेश में खगोल विद्या का विकास हुआ। मनुष्य के मांसाहारी भोजन और घुमक्कड़ प्रवृति के धार्मिक विश्वास से जुड़ गया। इसी समय मानचित्र कला, गृह निर्माण, विशिष्ट वेश भूषा आदि का विकास इसी प्रदेश में हुआ।

(ग) औपनिवेशिक संस्कृति :— इस युग में विभिन्न भागों के लोग पहली बार विश्व स्तर पर एक दूसरे के सम्पर्क आए। लम्बे समुद्री मार्ग खुले और समुद्री व्यापार शुरू हो गया। आर्थिक, राजनीतिक और संस्कृतिक पहलुओं पर यूरोपीय प्रभाव की क्रमिक वृद्धि हुई।

Scanned with CamScanner

3. आधुनिक संस्कृति

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद औद्योगिक क्रान्ति का आगमन हुआ। सम्पूर्ण यूरोप तथा मुख्यतः प० ~~यूरोप से~~ यूरोप से स्थानान्तरित लोगों ने अमेरिका के पूर्वी तट तथा आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर औद्योगिक संस्कृति को विकसित किया। इससे प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई। लोगों का खान-पान एवं वेश-भूषा में परिवर्तन हुआ। औद्योगिक वस्तुओं का उत्पादन आवश्यकता से अधिक होने लगा। परिणाम स्वरूप अन्तर महाद्वीपीय व्यापार शुरू हो गया। इसका दूसरा लाभ यह हुआ है कि भाप के इंजन के विकास से परिवहन साधनों का विकास हुआ। रेलवे, मालवाहक जहाँज के निर्माण से व्यापार में वृद्धि हुई। कृषि समाज से ~~का~~ का स्थानान्तरण औद्योगिक समाज में होने लगा। इसी के साथ शिक्षा का विकास एवं प्रसार तथा सामाजिक चिंतन में वैज्ञानिकता का विकास हुआ।

Scanned with CamScanner